Kiara
Let's Make Life Happy

Kiara Astrology Research Centre ®

(Prime Report)

ॐ गंग गणपतये नमः

Call: 08674827268

Kiara ID: 800||375 Date: 22-04-2020 Validity : 1 Month Only

नाम: Vikas Dikshit	जन्म तिथि: 07-03-1985	जन्म समय: 01:05 AM
जन्म स्थान: Azamgarh (UP)	मांगलिक योग: No	इष्ट देव: Guru Dev

1. योग कारक (अच्छा) / मारक (शत्रु) ग्रह: (ग्रहों की स्थित के अनुसार) :

इन सभी ग्रहों के रत्न धारण करना, पूजा पाठ करना उत्तम होगा, लेकिन इन ग्रहों से सम्बंधित वस्तुयें का दान नहीं किया जाता है।

S.No	योग कारक (अच्छा) ग्रह	शुभ फल देने की क्षमता	मारक (शत्रु) ग्रह	अशुभ फल देने की क्षमता
1.	Chandra	50 %	Mangal	15 %
2.	Surya	30 %	Guru (नीच)	80 %
3.	Shani	25 %	Budh (नीच)	50 %
4.			Shukra (उच्च)	30 %
5.			Rahu (व)	40 %
6.			Ketu (व)	40 %

इन सभी ग्रहों को पूजा पाठ एवं दान करके शांत करना है। इनके रत्न वर्जित हैं।

2. राजयोग (अच्छा योग): NA, सूर्य का माणिक तथा चन्द्र का मोती जीवन भर धारण करके रखें।

3. कुण्डली दोष: 1. अंगारक योग, चन्द्र ग्रहण योग, सूर्य ग्रहण योग, चाण्डाल दोष
गुरु तथा मंगल के दान व उपाय करने से दोष शान्त होगा।

4. शुभ दिन: Sunday, Monday, Saturday.

5. शुभ रंग: सफेद, मरुन | अशुभ: (पीला, हरा, काला, नीला)

6. रत्न (Gemstones) धारण कर सकते हैं (Life Time):

Gemstones (रत्न)	Ratti	Hand	Finger	Details
1. Pearl (मोती)	10	Right	little	चाँदी में सोमवार को शुक्लपक्ष में धारण करें। (8:15AM)
2. Ruby (माणिक)	7	Right	Ring	सोने, पीतल, ब्रॉन्ज में शुक्लपक्ष में रविवार के दिन सुबह 8:15 AM पर धारण करें।
3.				

Celebrity & Family Astrologer: Somvir Singh (B.Tech HBTU Kanpur, M.Tech IIT Roorkee), Published Book – Jyotish Disha, Expertise in Kundali Analysis, Gemstones Analysis, Health Analysis, Match Making, Marak/Karak Grah Analysis. **Office Address (Head Office):** Kiara Astrology Research Centre ®, Shri Jagdish Complex, Hatia Chowk, Ranchi– 834003 (JH). Phone: +91-8789981729. 8674827268. Web: www.KiaraAstrology.in

Scanned with CamScanner

7. **वर्जित रत्न (भूल कर भी धारण ना करें):**

मूँगा, पुखराज, पन्ना, ओपल, हीरा, जरकन, फिरोजा, गोमेद, लहसुनिया आदि रत्न

नोट : रत्न पहनने का अर्थ यह है की जिस ग्रह का रत्न धारण किया जाता है उस ग्रह की किरणों का शरीर में बढ़ाना। रत्न हमेशा योग कारक और सम ग्रह का पहना जाता है जब वो अच्छे फल देने में सक्षम न हो।

a) चंद्रदेव (मोती), मंगलदेव (मूंगा) और बृहस्पति देव (पीला पुखराज) का रत्न सदा शुक्ल पक्ष में धारण करना चाहिए। तभी यह लाभ प्रद होता है। (समय 8:15 AM)

b) सूर्य देव (माणिक), बुध देव (पन्ना), शुक्र देव (आपल, हीरा, सफ़ेद पुखराज), शनि देव (नीलम) का रत्न किसी भी पक्ष में धारण कर सकते हैं। (समय 8:15 AM)

c) सही गड़ना के मुताबिक **पांच कैरट या एक ग्राम से कम** वजन का रत्न नहीं धारण करना चाहिए।

d) **पुरुषों** को सदैव दाएं हाथ में रत्न पहना है। **स्त्रियों** को सदैव बाएं हाथ में रत्न पहनना चाहिए। अगर किसी जातक को नाग धारण हो जैसे (माणिक, मूंगा), (नीलम, हीरा) तोह लग्न का रत्न उस जातक को पहले सही हाथ में धारण करवाया जाता है। दूसरा रत्न दूसरे हाथ में पहनाया जाता है।

8. **रोग भाव का स्वामी: (मित्र/शत्रु)** : मंगल देव (हनुमान जी) का पाठ पूजन रोगों से दूर रखेगा।

9. **रोग – विश्लेषण:** (रोगों के कारक ग्रह)

आधुनिक समय के भाग - दौड़ एवं वयस्तता भरे जीवन मे प्रत्येक मनुष्य अपनी आकांछाओं और धन - प्राप्ति के पीछे ऐसा वयस्त है कि वह पूर्णतः अपने खान - पान, रहन-सहन और जीवन शैली पर सही ध्यान नहीं दे पता। इसलिए हर मनुष्य अपने स्वास्थय - सम्बन्धी छोटी-छोटी परेशनियों से भी साथ - साथ संघर्ष करता रहता है। Kiara Astrology के माध्यम से हम यह प्रयास करने की कोशिश कर रहे है कि आप ज्योतिष-विद्या के माध्यम से साधारण उपायों द्वारा अपने रोग - सम्बन्धी समस्यायो को कम कर पायँ एवं स्वयं के जीवन को जीने लायक बना सकें।

जन्म कुंडली मे छठा (6th) भाव रोग भाव होता है और छठे भाव का स्वामी रोगेष कहलाता है। महत्वपूर्ण बात यह है कि प्रत्येक लग्न कुंडली मे रोग -भाव तथा रोगेष का विश्लेषण करने का तरीका बदल जाता है।

सूर्य देव : हड्डिओं के रोग , ह्रदय रोग , आँखों सम्बन्धी रोग।

चन्द्रमा देव : मानसिक रोग, आँखों के रोग, शरीर व पेट के जल सम्बन्धी रोग, निमोनिया , फेफड़ो के रोग

मंगल देव : खून से सम्बंधित रोग, ब्लड प्रेसर, शुगर, थायरॉइड, कॉलिस्ट्रोल, शारीरिक शक्ति, माँसपेशिओ के रोग

बुध देव : त्वचा से सम्बंधित रोग, यादाश्त सम्बन्धी रोग, दिमाग सम्बन्धी रोग, दिमाग सम्बन्धी रोग, तुतलाना, हकलाना, व कंठ के रोग।

Scanned with CamScanner

बृहस्पति देव : लीवर, चर्बी, किडनी, मोटापा सम्बन्धी रोग।, Sugar
शुक्र देव : गुप्तांग सम्बन्धी रोग, नपुंसकता।
शनि देव : शरीर के किसी भी हिस्से में दर्द, लम्बी बीमारी।
राहु देव : सभी तरह की संक्रामकता, कुष्ठ रोग, अपगता, पागलपन, वहम।
केतु देव : रीढ़ की हड्डी, हड्डिओं के बीच में तरलता, कैंसर, बबासीर, फोड़े- फुन्सी, दाँत सम्बन्धी रोग।

10. रोग कम करने के लिए दान : गुरु, राहु, केतु, बुध देव का दान व पाठ पूजन सदैव रोगों से दूर रखेगा।

Comments:

(1) गुरु (नीच) होने के कारण दाम्पत्य सुख में कमी लायेंगे तथा तलाक की स्थिति भी बना देंगे। वैवाहिक सुख में बहुत बड़ी कमी रहेगी। बृहस्पति देव को शान्त करना है — केले के पेड़ को जल दें तथा पूजा करें। — पीली वस्तु का दान अवश्य करें (every thursday). आगे report से देखकर उपाय follow करें।

(2) पेट से सम्बन्धित बीमारी रहेगी। गुरु के कारण परिवार में समस्या तथा कलह - क्लेश, अपयश की स्थिति बनेगी। गुरु का दान व पाठ पूजन नियमित रूप से जीवन भर करें। Thursday को fast भी रख सकते हैं।

(3) मोती तथा माणिक धारण करने से ग्रहण योग समाप्त होगा तथा माता - पिता की परेशानी कम होगी।

(4) छोटे भाई/बहिन से सदैव दूरियां बनने का योग बनता है। फिजूल की मेहनत काफी होगी। तथा पिता को ज्यादा परेशानी रहेगी।

Scanned with CamScanner

11. महादशा/अन्तर्दशा/प्रत्यंतर दशा परिणाम :

राहु की महादशा :- 07/03/2020 to 08/03/2038 : खराब दशा (40%)

रोग, कर्ज, शत्रु, खर्च बढ़ेगा, परिवार में कलह-क्लेश बढ़ेगा, धन का अभाव तथा धन हानि का योग बना है। कामकाज सम्बन्धी समस्या भी होगी, Anxiety, depression, शादी होने में समस्या होगी।

↳ राहु तथा गुरु के उपाय व दान अवश्य करें।

① राहु/राहु/राहु : 07/03/20 to 02/08/20 : खराब समय (100%)
↳ (राहु का दान अवश्य करें!) & गुरु का दान व उपाय

② राहु/राहु/गुरु : 03/08/20 to 12/12/20 : खराब समय (100%)
↳ (राहु तथा गुरु का दान करें!)

③ राहु/राहु/शनि : 13/12/20 to 17/05/21 :- सामान्य (10%)
(राहु का दान करना है।) & गुरु का उपाय व दान

④ राहु/राहु/बुध : 18/05/21 to [illegible]/10/21 → खराब (100%)
(Depression, मृत्युतुल्य कष्ट हो सकते हैं।)
↳ राहु तथा बुध के दान व उपाय करना है।

शादी के योग : (30/11/21 to 13/05/22) → उपाय तथा दान की मदद से शादी के योग जल्दी बनेंगे। यदि गुरु को शान्त कर लेते हैं तो
↳ (03/08/20 to 12/12/20) में हो जाएगी if guru को शान्त कर लेते हैं तो।

Scanned with CamScanner

कुंडली में स्थित मारक (शत्रु) ग्रह के उपाय & दान :

ग्रह	उपाय & दान
मंगल देव के उपाय: **(मंगलवार को करना है)**	हनुमान जी को सिन्दूर चढ़ाना , हनुमान जी को चोला चढ़ाना, लाल चीज का दान, टमाटर का दान, गाजर का दान, अनार का दान, शक्कर चींटियों को डालना, लाल सूखी मिर्च जल प्रवाह करना, मूँगा जल प्रवाह करना, हनुमान जी को पान के पत्ते चढना। **नोट:- छोटे भाई या छोटे भाई तुल्य व्यक्ति से मधुर संबंध रखना, ख्याल रखने से मंगल देव प्रसन्न होते हैं।** मंगल देव के मंत्र का जाप करें। **(ॐ भुं भौमाय नम: अथवा ऊँ अं अंगारकाय नम:)** **(संकटमोचन नाम तिहारो, संकटमोचन नाम तिहारो।** **कौन सो संकट मोर गरीब को ,जो तुमसे नहिं जात है तारो ॥)**
बुद्ध देव के उपाय: **(बुधवार को करना है)**	हरा चारा गाय को डालना, खीरा दान करना, पुदीना दान करना, पन्ना जल प्रवाह करना, बाज़रा पंछियों को डालना, साबुत मूंगी का दान करना, हरी वस्तु (वस्त्र, चूड़ियाँ इत्यादि), तुलसी का दान और सेवा, किन्नरों को कुछ भी खाने को देना। **नोट:- छोटी कन्या, मौसी, बुआ, बहन, भाभी, ताई, चाची, मामी से मधुर संबंध रखने से बुध देव प्रसन्न होते हैं।** बुद्ध देव के मंत्र का जाप करें **(ॐ ब्रां ब्रीं ब्रौं सः बुधाय नमः ॥ (or) ऊँ गंग गणपतये नमः)**
बृहस्पति देव के उपाय: **(बृहस्पतिवार को करना है)**	शक्कर का दान या चींटियों को डालना, बेसन के लड्डू का दान करना, केले, हल्दी का दान करना, केले क पेड़ को जल देना और सेवा करना, चने की दाल का दान करना, गेंदे का फूल मन्दिर में चढ़ाना, धार्मिक और ज्ञानवर्धक पुस्तके बांटना, सुनेला जल प्रवाह करना, पापीती का दान करना। **नोट:- बुजुर्गो की सेवा करना, गुरूजनो का सम्मान करना, पिता या पिता तुल्य व्यक्तियों से मधुर संबंध रखना।** बृहस्पतिवार को हल्दी की पीली गाँठे जल प्रवाह करें और बृहस्पति देव के मंत्र का जाप करें। **(ऊँ बृं बृहस्पतये नम:)**
शुक्र देव के उपाय: **(शुक्रवार को करना है)**	चीनी दान करना, चावल दान करना, आटा दान करना, सफ़ेद मिठाई (रसगुल्ला, छेना मुर्की, बर्फी) दान करना, इत्र दान करना, जरकन (ओपल) दान करना, सौंदर्य प्रधान वस्तुओं का दान करना, मिश्री दान करना। **नोट:- पत्नी, प्रेमिका के साथ मधुर संबंध रखना, स्त्रियों का आदर करना।** हर शुक्रवार को कच्चे दूध (1/2 cup) से स्नान करें और शुक्र देव के मंत्र का जाप करें। **(ॐ द्रां द्रीं द्रौं सः शुक्राय नमः ॥ (or) ऊँ शुं शुक्राय नम:)**
राहु देव के उपाय: **(शनिवार को करना है)**	चाय की पत्ती, अगरबत्ती दान करना, सिक्का दान करना, बिजली की तार जल प्रवाह करना, गोमेद जल प्रवाह करना, सतनाजा चीटियों को डालना, काला सफ़ेद कम्बल दान करना, विकलांगो की सहायता करना, कुस्थश्रम में दान करना, नेत्रहीनों की सेवा करना। शनिवार को चाय की पत्ती (100gm), १ अगरबत्ती का पैकेट शनि देव के मंदिर के बाहर गरीबों को दान करें और देते समय राहु मंत्र "ॐ रां राहवे नमः" का जप करें। **नोट:- किसी भी प्रकार से शारीरिक असमर्थ लोगों का ख्याल रखने से राहु देव प्रसन्न होते हैं।** रोजाना शाम को 7 बजे के बाद (या) सोते समय 5-10 minutes राहु देव के मंत्र का जाप करें। **(ऊँ रां राहवे नम:)**

केतु देव के उपाय: **(मंगल, बुधवार को करना है)**	काला सफ़ेद कपड़ा दान करना, निम्बू दान करना, अमचूर दान करना, आंवले का अचार दान करना, चाकू दान करना, कुत्ते की सेवा करना, कुत्ते को कपड़ा पहनना। **नोट:- नानका परिवार से मधुर संबंध रखने से केतुदेव प्रसन्न होते हैं.** रोजाना शाम को 7 बजे के बाद (या) सोते समय 5-10 minutes केतु देव के मंत्र का जाप करें। **(ऊं कें केतवे नम:)**

नोट: अमावश्या के दिन किसी भी समय (दिन/रात) चाय की पत्ती, अगरबत्ती का दान (राहु के लिए) का दान अवश्य करें।

नोट: यदि परिवार में कलह - कलेश हो रहा हो और स्थित बिगड़ने वाली हो तो उस वक्त कोई भी परिवार का सदस्य मन ही मन २० मिनट तक नीचे दिए गये मंत्र का जाप अवश्य करें। संकटमोचन हनुमान जी आपकी अवश्य मदद करेंगे और स्थित सामान्य होने लगेगी। (हनुमान जी का पाठ पूजन महिलाएं भी कर सकती हैं। क्यूंकि हनुमान जी ने अपनी छाती चीर कर दिखा दी थी कि उनके हृदय में प्रभु राम और सीता माता दोनों एक साथ रहते हैं6।)

मंत्र : संकटमोचन नाम तिहारो, संकटमोचन नाम तिहारो। कौन सो संकट मोर गरीब को, जो तुमसे नहिं जात है टारो॥

Vikas Dikshit

ॐ गं गणपतये नम

शुभ 卐 लाभ

Model: ~Teva

SrNo: 110-119-101-1101 / 80011375 Date: 22/04/2020

Vikas Dikshit

07 Mar 1985 01:05 AM

Azamgarh

Kiara Astrology Research Centre ®
Somvir Singh (Celebrity & Family Astrologer)
Shop - 39, First Floor, Shree Jagdish Complex, Near Chandani Chowk, Hatia, Ranchi - 834004
+91-8674827268, +91-8789981729
Website: www.KiaraAstrology.in, Email: KiaraAstrology@gmail.com

Vikas Dikshit

Model: ~Teva

SrNo: 110-119-101-1101 / 80011375 Date: 22/04/2020

लिंग	: पुल्लिंग
जन्म तिथि	: **6-07/03/1985**
दिन	: बुध–गुरुवार
जन्म समय	: **01:05:00 ांटे**
इष्ट	: 47:01:21 घटी
स्थान	: **Azamgarh**
राज्य	: Uttar Pradesh
देश	: India

अक्षांश	: 26:03:00 उत्तर
रेखांश	: 83:10:00 पूर्व
मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	: 00:02:40 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	: 01:07:40 घंटे
वेलान्तर	: -00:11:21 घंटे
साम्पातिक काल	: 12:05:35 घंटे
सूर्योदय	: 06:16:27 घंटे
सूर्यास्त	: 18:01:13 घंटे
दिनमान	: 11:44:46 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	: उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	: दक्षिण
ऋतु	: वसन्त
सूर्य के अंश	: 22:32:02 कुम्भ
लग्न के अंश	: 26:34:48 वृश्चिक

चैत्रादि संवत / शक	: 2041 / 1906
मास	: फाल्गुन
पक्ष	: शुक्ल
सूर्योदय कालीन तिथि	: 14
तिथि समाप्ति काल	: 11:02:42
जन्म तिथि	: 15
सूर्योदय कालीन नक्षत्र	: मघा
नक्षत्र समाप्ति काल	: 16:30:46 घंटे
जन्म नक्षत्र	: पू०फाल्गुनी
सूर्योदय कालीन योग	: सुकर्मा
योग समाप्ति काल	: 13:13:16 घंटे
जन्म योग	: धृति
सूर्योदय कालीन करण	: वणिज
करण समाप्ति काल	: 11:02:42 घंटे
जन्म करण	: बव
भयात	: 21:25:35
भभोग	: 53:23:55
भोग्य दशा काल	: शुक्र 12 वर्ष 0 मा 1 दि

अवकहड I चक्र	
लग्न–लग्नाधिपति	: वृश्चिक – मंगल
राशि–स्वामी	: **सिंह – सूर्य**
नक्षत्र–चरण	: **पू०फाल्गुनी – 2**
नक्षत्र स्वामी	: शुक्र
योग	: धृति
करण	: बव
गण	: मनुष्य
योनि	: मूषक
नाड़ी	: मध्य
वर्ण	: क्षत्रिय
वश्य	: वनचर
वर्ग	: श्वान
युँजा	: मध्य
हंसक	: अग्नि
जन्म नामाक्षर	: टा–टाटा
पाया(राशि–नक्षत्र)	: ताम्र – रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	: मीन

ात चक्र	
मास	: ज्येष्ठ
तिथि	: 3-8-13
दिन	: शनिवार
नक्षत्र	: मूल
योग	: धृति
करण	: बव
प्रहर	: 1
वर्ग	: मेष
लग्न	: मीन
सूर्य	: धनु
चन्द्र	: मकर
मंगल	: मकर
बुध	: तुला
गुरु	: कुम्भ
शुक्र	: मीन
शनि	: वृश्चिक
राहु	: मेष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृश्चि	26:34:48	320:19:21	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	गुरु	----
सूर्य			कुंभ	22:32:02	01:00:01	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	शनि	शत्रु राशि
चंद्र			सिंह	18:39:53	14:58:11	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	राहु	मित्र राशि
मंगल			मेष	00:13:26	00:43:59	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	केतु	मूलत्रिकोण
बुध			मीन	06:00:50	01:48:04	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	नीच राशि
गुरु			मक	12:31:51	00:12:23	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	राहु	नीच राशि
शुक्र			मीन	27:42:57	00:15:44	रेवती	4	27	गुरु	बुध	गुरु	उच्च राशि
शनि			वृश्चि	04:28:45	00:00:04	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	शनि	शत्रु राशि
राहु	व		मेष	26:41:24	00:09:34	कृतिका	1	3	मंगल	सूर्य	सूर्य	शत्रु राशि
केतु	व		तुला	26:41:24	00:09:34	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	शुक्र	सम राशि
हर्ष			वृश्चि	24:13:26	00:00:51	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	राहु	----
नेप			धनु	09:43:58	00:00:58	मूल	3	19	गुरु	केतु	शनि	----
प्लूटो	व		तुला	10:51:47	00:00:57	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	शनि	----
दशम भाव			कन्या	07:52:11	--	उ०फाल्गुनी	--	12	बुध	सूर्य	शुक्र	--

व – वक्री स – स्थिर
अ – अस्त पू – पूर्ण अस्त
राहु स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:38:48

लग्न–चलित

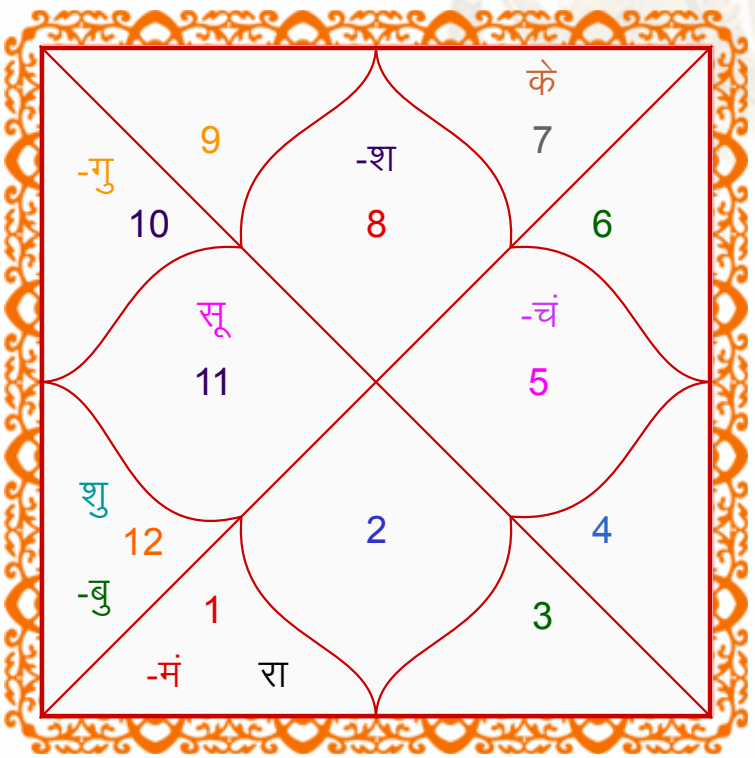

चन्द्र कुंडली

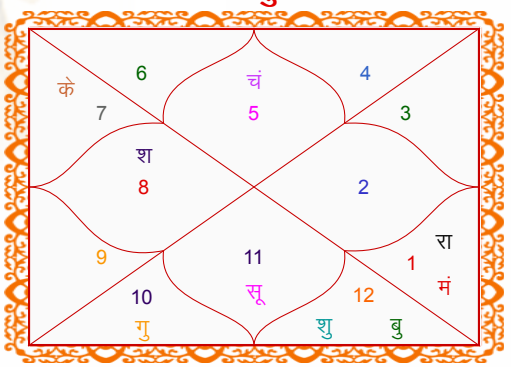

नवमांश कुंडली

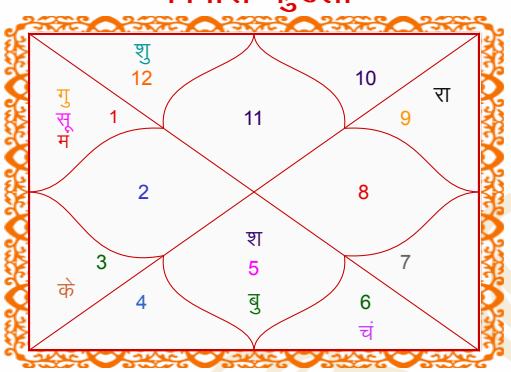

षट्बल तथा भावबल सारिणी

षट्बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
उच्च बल	44	25	39	3	3	60	55
सप्तवर्गज बल	90	64	218	99	98	90	49
ओजयुग्मक बल	30	15	30	15	15	30	15
केन्द्र बल	60	60	15	30	15	30	60
द्रेष्काण बल	0	0	15	0	0	15	0
कुल स्थान बल	224	164	317	147	130	225	179
कुल दिग्बल	5	6	7	27	45	53	7
नतोन्नत बल	5	55	55	60	5	5	55
पक्ष बल	1	117	1	59	59	59	1
त्रिभाग बल	0	0	0	0	60	60	0
अब्द बल	15	0	0	0	0	0	0
मास बल	0	0	30	0	0	0	0
वार बल	0	0	0	45	0	0	0
होरा बल	0	0	60	0	0	0	0
अयन बल	46	21	42	30	6	41	55
युद्ध बल	0	0	0	0	0	0	0
कुल कालबल	67	194	189	194	129	164	112
कुल चेष्टाबल	0	0	15	27	13	49	38
कुल नैसर्गिक बल	60	51	17	26	34	43	9
कुल दृग्बल	7	-10	16	9	-16	15	6
कुल षट्बल	363	405	561	429	335	550	351
रूप षट्बल	6.0	6.7	9.4	7.2	5.6	9.2	5.8
न्यूनतम आवश्यकता	5	6	5	7	7	6	5
अनुपात	1.2	1.1	1.9	1.0	0.9	1.7	1.2
संबंधित पद	3	5	1	6	7	2	4

इष्ट फल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
इष्ट फल	33.49	38.14	24.38	8.92	5.70	54.26	45.53
कष्ट फल	23.40	6.74	30.50	43.65	52.01	1.60	10.41

भाव बल

	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
भावाधिपति बल	561	351	351	335	561	550	550	405	363	429	550	561
भावदिग्बल	0	20	40	60	10	20	30	20	50	30	40	10
भावदृष्टि बल	23	4	-15	19	44	36	62	51	41	80	87	35
कुल भाव बल	584	375	376	414	616	606	642	476	454	539	677	606
रूप भाव बल	9.7	6.2	6.3	6.9	10.3	10.1	10.7	7.9	7.6	9.0	11.3	10.1
संबंधित पद	6	12	11	10	3	5	2	8	9	7	1	4

भाव बल ग्राफ

भावाधिपति बल

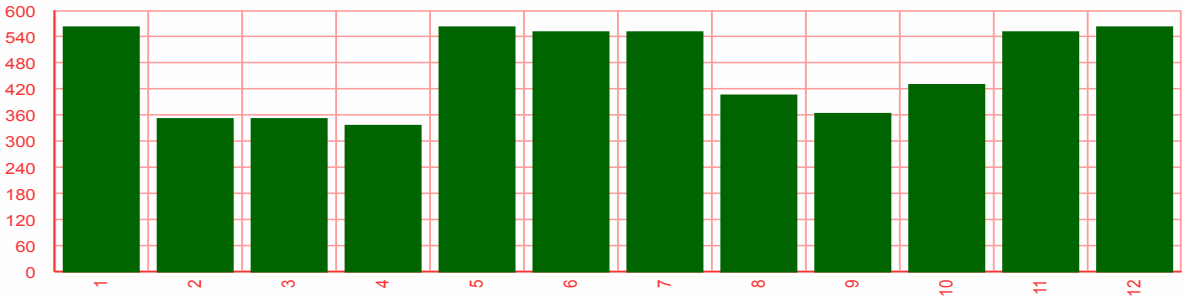

भावदिग्बल

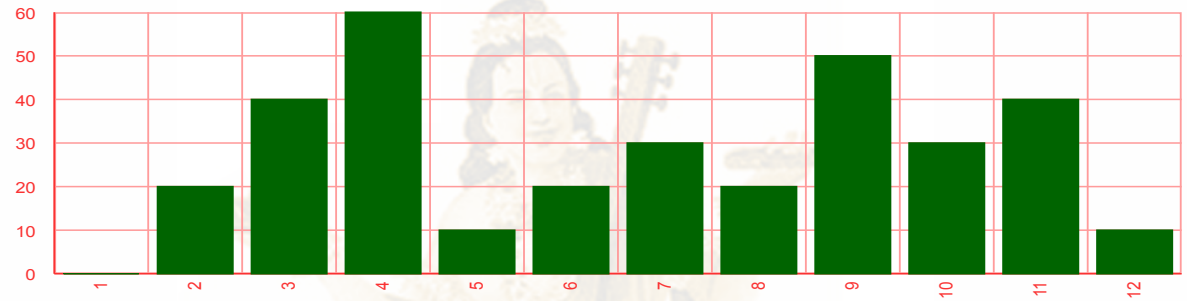

भावदृष्टि बल

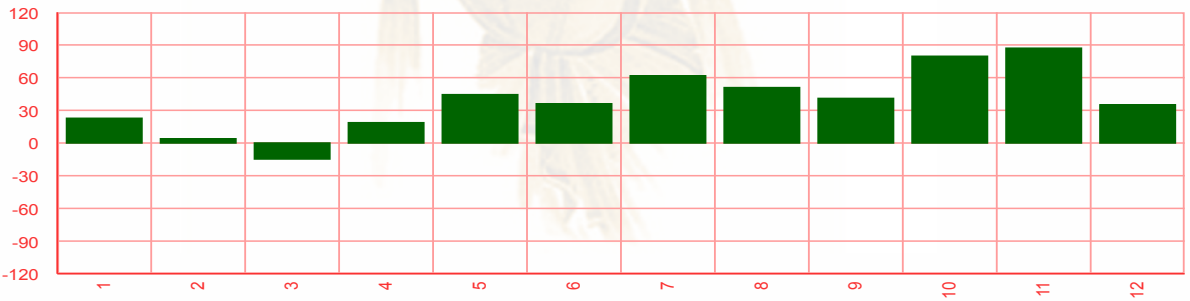

भाव बल

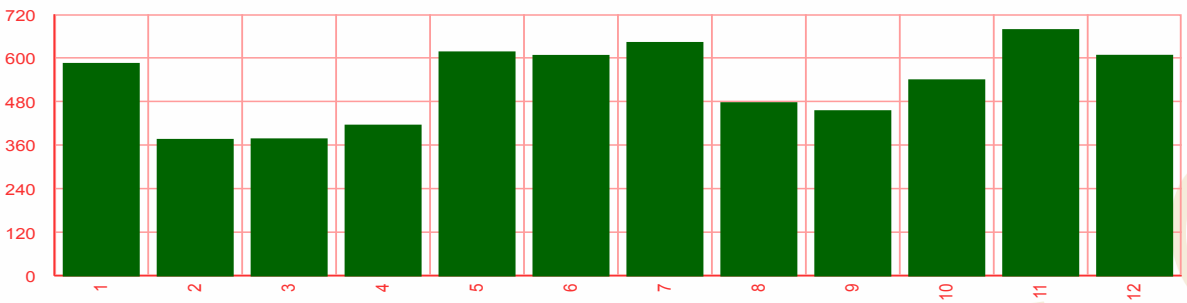

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 12 वर्ष 0 मास 1 दिन

शुक्र 20 वर्ष	
07/03/1985	
08/03/1997	
	00/00/0000
	00/00/0000
	00/00/0000
	07/03/1985
राहु	08/05/1987
गुरु	06/01/1990
शनि	08/03/1993
बुध	06/01/1996
केतु	08/03/1997

सूर्य 6 वर्ष	
08/03/1997	
08/03/2003	
सूर्य	25/06/1997
चंद्र	25/12/1997
मंगल	02/05/1998
राहु	26/03/1999
गुरु	13/01/2000
शनि	25/12/2000
बुध	31/10/2001
केतु	08/03/2002
शुक्र	08/03/2003

चंद्र 10 वर्ष	
08/03/2003	
08/03/2013	
चंद्र	06/01/2004
मंगल	06/08/2004
राहु	05/02/2006
गुरु	07/06/2007
शनि	06/01/2009
बुध	07/06/2010
केतु	06/01/2011
शुक्र	06/09/2012
सूर्य	08/03/2013

मंगल 7 वर्ष	
08/03/2013	
07/03/2020	
मंगल	04/08/2013
राहु	22/08/2014
गुरु	29/07/2015
शनि	06/09/2016
बुध	03/09/2017
केतु	30/01/2018
शुक्र	01/04/2019
सूर्य	07/08/2019
चंद्र	07/03/2020

राहु 18 वर्ष	
07/03/2020	
08/03/2038	
राहु	18/11/2022
गुरु	13/04/2025
शनि	18/02/2028
बुध	06/09/2030
केतु	25/09/2031
शुक्र	25/09/2034
सूर्य	19/08/2035
चंद्र	17/02/2037
मंगल	08/03/2038

गुरु 16 वर्ष	
08/03/2038	
08/03/2054	
गुरु	25/04/2040
शनि	06/11/2042
बुध	11/02/2045
केतु	18/01/2046
शुक्र	18/09/2048
सूर्य	07/07/2049
चंद्र	06/11/2050
मंगल	13/10/2051
राहु	08/03/2054

शनि 19 वर्ष	
08/03/2054	
08/03/2073	
शनि	11/03/2057
बुध	19/11/2059
केतु	28/12/2060
शुक्र	27/02/2064
सूर्य	08/02/2065
चंद्र	09/09/2066
मंगल	19/10/2067
राहु	25/08/2070
गुरु	08/03/2073

बुध 17 वर्ष	
08/03/2073	
08/03/2090	
बुध	04/08/2075
केतु	31/07/2076
शुक्र	01/06/2079
सूर्य	07/04/2080
चंद्र	06/09/2081
मंगल	03/09/2082
राहु	23/03/2085
गुरु	29/06/2087
शनि	08/03/2090

केतु 7 वर्ष	
08/03/2090	
08/03/2097	
केतु	04/08/2090
शुक्र	04/10/2091
सूर्य	09/02/2092
चंद्र	09/09/2092
मंगल	05/02/2093
राहु	24/02/2094
गुरु	31/01/2095
शनि	10/03/2096
बुध	08/03/2097

शुक्र 20 वर्ष	
08/03/2097	
00/00/0000	
शुक्र	08/07/2100
सूर्य	08/07/2101
चंद्र	09/03/2103
मंगल	08/05/2104
राहु	08/03/2105
	00/00/0000
	00/00/0000
	00/00/0000
	00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 11 वर्ष 11 मा 21 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

विंशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

राहु - राहु	
07/03/2020	
18/11/2022	
राहु	02/08/2020
गुरु	12/12/2020
शनि	17/05/2021
बुध	04/10/2021
केतु	30/11/2021
शुक्र	13/05/2022
सूर्य	02/07/2022
चंद्र	22/09/2022
मंगल	18/11/2022

राहु - गुरु	
18/11/2022	
13/04/2025	
गुरु	15/03/2023
शनि	01/08/2023
बुध	03/12/2023
केतु	23/01/2024
शुक्र	18/06/2024
सूर्य	31/07/2024
चंद्र	12/10/2024
मंगल	03/12/2024
राहु	13/04/2025

राहु - शनि	
13/04/2025	
18/02/2028	
शनि	25/09/2025
बुध	19/02/2026
केतु	21/04/2026
शुक्र	12/10/2026
सूर्य	03/12/2026
चंद्र	27/02/2027
मंगल	29/04/2027
राहु	02/10/2027
गुरु	18/02/2028

राहु - बुध	
18/02/2028	
06/09/2030	
बुध	29/06/2028
केतु	22/08/2028
शुक्र	25/01/2029
सूर्य	12/03/2029
चंद्र	29/05/2029
मंगल	22/07/2029
राहु	09/12/2029
गुरु	12/04/2030
शनि	06/09/2030

राहु - केतु	
06/09/2030	
25/09/2031	
केतु	29/09/2030
शुक्र	02/12/2030
सूर्य	21/12/2030
चंद्र	22/01/2031
मंगल	13/02/2031
राहु	12/04/2031
गुरु	02/06/2031
शनि	02/08/2031
बुध	25/09/2031

राहु - शुक्र	
25/09/2031	
25/09/2034	
शुक्र	26/03/2032
सूर्य	19/05/2032
चंद्र	19/08/2032
मंगल	22/10/2032
राहु	04/04/2033
गुरु	28/08/2033
शनि	18/02/2034
बुध	23/07/2034
केतु	25/09/2034

राहु - सूर्य	
25/09/2034	
19/08/2035	
सूर्य	11/10/2034
चंद्र	08/11/2034
मंगल	27/11/2034
राहु	15/01/2035
गुरु	28/02/2035
शनि	21/04/2035
बुध	06/06/2035
केतु	26/06/2035
शुक्र	19/08/2035

राहु - चंद्र	
19/08/2035	
17/02/2037	
चंद्र	04/10/2035
मंगल	05/11/2035
राहु	26/01/2036
गुरु	08/04/2036
शनि	04/07/2036
बुध	20/09/2036
केतु	22/10/2036
शुक्र	21/01/2037
सूर्य	17/02/2037

राहु - मंगल	
17/02/2037	
08/03/2038	
मंगल	12/03/2037
राहु	08/05/2037
गुरु	28/06/2037
शनि	28/08/2037
बुध	21/10/2037
केतु	13/11/2037
शुक्र	16/01/2038
सूर्य	04/02/2038
चंद्र	08/03/2038

गुरु - गुरु	
08/03/2038	
25/04/2040	
गुरु	20/06/2038
शनि	21/10/2038
बुध	08/02/2039
केतु	26/03/2039
शुक्र	03/08/2039
सूर्य	11/09/2039
चंद्र	15/11/2039
मंगल	30/12/2039
राहु	25/04/2040

गुरु - शनि	
25/04/2040	
06/11/2042	
शनि	19/09/2040
बुध	28/01/2041
केतु	23/03/2041
शुक्र	24/08/2041
सूर्य	09/10/2041
चंद्र	25/12/2041
मंगल	17/02/2042
राहु	06/07/2042
गुरु	06/11/2042

गुरु - बुध	
06/11/2042	
11/02/2045	
बुध	04/03/2043
केतु	21/04/2043
शुक्र	06/09/2043
सूर्य	17/10/2043
चंद्र	25/12/2043
मंगल	12/02/2044
राहु	15/06/2044
गुरु	03/10/2044
शनि	11/02/2045

गुरु - केतु	
11/02/2045	
18/01/2046	
केतु	03/03/2045
शुक्र	29/04/2045
सूर्य	16/05/2045
चंद्र	13/06/2045
मंगल	03/07/2045
राहु	23/08/2045
गुरु	08/10/2045
शनि	01/12/2045
बुध	18/01/2046

गुरु - शुक्र	
18/01/2046	
18/09/2048	
शुक्र	29/06/2046
सूर्य	17/08/2046
चंद्र	06/11/2046
मंगल	02/01/2047
राहु	28/05/2047
गुरु	05/10/2047
शनि	07/03/2048
बुध	23/07/2048
केतु	18/09/2048

गुरु - सूर्य	
18/09/2048	
07/07/2049	
सूर्य	03/10/2048
चंद्र	27/10/2048
मंगल	13/11/2048
राहु	27/12/2048
गुरु	04/02/2049
शनि	22/03/2049
बुध	03/05/2049
केतु	20/05/2049
शुक्र	07/07/2049

विंशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

गुरु - चंद्र	
07/07/2049	
06/11/2050	
चंद्र	17/08/2049
मंगल	14/09/2049
राहु	26/11/2049
गुरु	30/01/2050
शनि	17/04/2050
बुध	25/06/2050
केतु	24/07/2050
शुक्र	13/10/2050
सूर्य	06/11/2050

गुरु - मंगल	
06/11/2050	
13/10/2051	
मंगल	26/11/2050
राहु	16/01/2051
गुरु	03/03/2051
शनि	26/04/2051
बुध	13/06/2051
केतु	03/07/2051
शुक्र	29/08/2051
सूर्य	15/09/2051
चंद्र	13/10/2051

गुरु - राहु	
13/10/2051	
08/03/2054	
राहु	22/02/2052
गुरु	18/06/2052
शनि	03/11/2052
बुध	08/03/2053
केतु	28/04/2053
शुक्र	21/09/2053
सूर्य	04/11/2053
चंद्र	16/01/2054
मंगल	08/03/2054

शनि - शनि	
08/03/2054	
11/03/2057	
शनि	29/08/2054
बुध	31/01/2055
केतु	06/04/2055
शुक्र	06/10/2055
सूर्य	30/11/2055
चंद्र	29/02/2056
मंगल	03/05/2056
राहु	15/10/2056
गुरु	11/03/2057

शनि - बुध	
11/03/2057	
19/11/2059	
बुध	28/07/2057
केतु	23/09/2057
शुक्र	06/03/2058
सूर्य	24/04/2058
चंद्र	15/07/2058
मंगल	11/09/2058
राहु	05/02/2059
गुरु	16/06/2059
शनि	19/11/2059

शनि - केतु	
19/11/2059	
28/12/2060	
केतु	12/12/2059
शुक्र	18/02/2060
सूर्य	09/03/2060
चंद्र	12/04/2060
मंगल	05/05/2060
राहु	05/07/2060
गुरु	28/08/2060
शनि	31/10/2060
बुध	28/12/2060

शनि - शुक्र	
28/12/2060	
27/02/2064	
शुक्र	08/07/2061
सूर्य	04/09/2061
चंद्र	10/12/2061
मंगल	15/02/2062
राहु	07/08/2062
गुरु	09/01/2063
शनि	11/07/2063
बुध	22/12/2063
केतु	27/02/2064

शनि - सूर्य	
27/02/2064	
08/02/2065	
सूर्य	16/03/2064
चंद्र	13/04/2064
मंगल	04/05/2064
राहु	25/06/2064
गुरु	10/08/2064
शनि	04/10/2064
बुध	22/11/2064
केतु	12/12/2064
शुक्र	08/02/2065

शनि - चंद्र	
08/02/2065	
09/09/2066	
चंद्र	28/03/2065
मंगल	01/05/2065
राहु	27/07/2065
गुरु	12/10/2065
शनि	12/01/2066
बुध	03/04/2066
केतु	07/05/2066
शुक्र	12/08/2066
सूर्य	09/09/2066

शनि - मंगल	
09/09/2066	
19/10/2067	
मंगल	03/10/2066
राहु	03/12/2066
गुरु	26/01/2067
शनि	31/03/2067
बुध	27/05/2067
केतु	20/06/2067
शुक्र	26/08/2067
सूर्य	16/09/2067
चंद्र	19/10/2067

शनि - राहु	
19/10/2067	
25/08/2070	
राहु	23/03/2068
गुरु	09/08/2068
शनि	21/01/2069
बुध	18/06/2069
केतु	17/08/2069
शुक्र	07/02/2070
सूर्य	31/03/2070
चंद्र	26/06/2070
मंगल	25/08/2070

शनि - गुरु	
25/08/2070	
08/03/2073	
गुरु	27/12/2070
शनि	22/05/2071
बुध	30/09/2071
केतु	23/11/2071
शुक्र	25/04/2072
सूर्य	11/06/2072
चंद्र	27/08/2072
मंगल	20/10/2072
राहु	08/03/2073

बुध - बुध	
08/03/2073	
04/08/2075	
बुध	10/07/2073
केतु	30/08/2073
शुक्र	24/01/2074
सूर्य	09/03/2074
चंद्र	21/05/2074
मंगल	12/07/2074
राहु	21/11/2074
गुरु	18/03/2075
शनि	04/08/2075

बुध - केतु	
04/08/2075	
31/07/2076	
केतु	25/08/2075
शुक्र	25/10/2075
सूर्य	12/11/2075
चंद्र	12/12/2075
मंगल	02/01/2076
राहु	25/02/2076
गुरु	14/04/2076
शनि	10/06/2076
बुध	31/07/2076

बुध - शुक्र	
31/07/2076	
01/06/2079	
शुक्र	20/01/2077
सूर्य	13/03/2077
चंद्र	07/06/2077
मंगल	06/08/2077
राहु	08/01/2078
गुरु	26/05/2078
शनि	06/11/2078
बुध	02/04/2079
केतु	01/06/2079